# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| | | |
|---|---|---|
| **Class: VII- 2nd Lang** | **Department: Hindi** | **Date of submission:** |
| **Question Bank- भोर और बरखा** | **Topic: प्रश्न-उत्तर** | **Note: Pl File in portfolio** |

## अति लघु प्रश्न-

प्रश्न **1.** गोपियाँ ने अपने हाथों में क्या पहन रखे हैं?

उत्तर- गोपियाँ ने अपने हाथों में कंगन पहन रखी हैं|

प्रश्न **2.** ग्वाल बाल कहाँ जाने के लिए तैयार थे?

उत्तर- ग्वाल बाल गायें चराने जाने के लिए तैयार थे|

प्रश्न 3. मीरा किसकी भक्त थी**?**

उत्तर- मीरा श्रीकृष्ण की भक्त थी।

प्रश्न 4. दूसरे पद में किस महीने का वर्णन है?

उत्तर- दूसरे पद में सावन के महीने का वर्णन है|

## लघु प्रश्न-

**प्रश्न** 1. पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

**उत्तर.** पद के आधार पर ब्रज में भोर होते ही हर घर के दरवाज़े खुल जाते हैं। ग्वालिनें दही मथकर मक्खन बनाने लगती हैं, उनके कंगन की आवाज़ हर घर में गूँजती रहती है। ग्वाल बालक हाथों में मक्खन और रोटी लेकर गायें चराने की तैयारी करने लग जाते हैं।

**प्रश्न** 2. मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?

**उत्तर.** मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि यह ख़ुशनुमा मौसम उन्हें प्रभु श्री कृष्ण के आगमन का अहसास करवाता है। इस मौसम में प्रकृति बड़ी ही सुंदर हो जाती है और मीराबाई का मन प्रसन्नता व उमंग से भर जाता है।

**Prepared by- Neelam Sonkhala**

**दीर्घ प्रश्न-**

**प्रश्न 1.** ‘बंसीवारे ललना’, ‘मोरे प्यारे’, ‘लाल जी’, कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?

**उत्तर.** यहाँ यशोदा माँ अपने कान्हा को जगाने के लिए ‘बंसीवारे ललना’, ‘मोरे प्यारे’, ‘लाल जी’ जैसे प्यार भरे शब्द कहती हैं। यशोदा माँ उन्हें जगाने के लिए निम्न बातें कहती हैं – “रात खत्म हो गयी है, हर घर के दरवाज़े खुल चुके हैं, हमारे द्वार पर सभी देव और मानव तुम्हारे दर्शन करने के लिए खड़े हैं। ग्वालिनें दही मथ कर तुम्हारा मनपसंद मक्खन निकाल रही हैं। तुम्हारे सब दोस्त हाथ में माखन-रोटी लेकर तुम्हारा इंतज़ार कर रहे हैं, ताकि वे गाय चराने जा सकें। इसलिए मेरे प्यारे कान्हा! तुम जल्दी-से उठ जाओ।”

**प्रश्न 2.** पाठ के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

**उत्तर.** सावन आते ही गर्मी का प्रकोप कम हो जाता है। चारों तरफ घने काले बादल छाने लगते हैं। आसमान में बिजलियाँ कड़कती हैं और बादल गरजते हैं। कभी हल्की तो कभी तेज़ बरसात होती है और प्रकृति फल-फूल उठती है। इस दौरान हवा में भीनी-भीनी ख़ुशबू फैल जाती है और वह ठंडी व सुहावनी लगने लगती है।

**घर में रहें, सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें**

**धन्यवाद---**

**Prepared by- Neelam Sonkhala**